बुक-पोस्ट

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सेवा में,

प्रेषक :

प्रो. अनुराधा तिवारी

प्राचार्य

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ- 226024

कृपया संपर्क करें-

netajiseminar2022@gmail.com

डॉ. राजीव यादव, संयोजक 8004032906

डॉ. जय प्रकाश वर्मा, आयोजन सचिव 8452877419

डॉ. श्वेता भारद्वाज, सह-संयोजक 7007615642

डॉ. रोशनी सिंह,सह-आयोजन सचिव 8574289656

डॉ. रश्मि अग्रवाल, सह-आयोजन सचिव 9236463422

डॉ. भास्कर शर्मा, कोषाध्यक्ष 9415470094

उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. शासन प्रायोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी : मानवता, राष्ट्रवाद एवं राजनीति के कालजयी अग्रदूत

Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee: An Immortal Herald of Humanity, Nationalism and Politics

दिनांक : 24-25 सितम्बर, 2022

पंजीकरण फार्म

1. नाम..
2. लिंग ....
3. पदनाम ....
4. संस्थान..
5. पता ....
6. मोबाइल नं. ....
7. ई-मेल..
8. प्रतिभागिता ☐ पेपर प्रस्तुति ☐ कविता / स्केच ☐
9 शोध पेपर का शीर्षक ....

....

10. आवास की आवश्यकता हाँ ☐ नहीं ☐
11. रजिस्ट्रेशन फीस :

धनराशि रु. .... (शब्दों में)........................ नगद / संलग्न

आनाइन नं. दिनांक.............

स्थान ....

हस्ताक्षर दिनांक :

नोट :- 1. इस फार्म की फोटो कापी भी स्वीकार की जायेगी।
2. इस फार्म को भरते समय रजिस्ट्रेशन फार्म साथ में रखें।

पंजीकरण हेतु लिंक- https://seminar.nscbonline.in/

☞ आनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा महाविद्यालय वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। https://seminar.nscbonline.in/

☞ पूर्व अनुरोध के आधार पर स्वयं के खर्च पर आवास उपलब्ध होगा।

आयोजक मण्डल

संरक्षक :

प्रो0 अमित भारद्वाज, निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र.

अध्यक्ष:

प्रो0 अनुराधा तिवारी, प्राचार्य

सलाहकार समिति

प्रो. दिनेश शर्मा, सदस्य विधान परिषद, उ.प्र., पूर्व उप-मुख्यमंत्री, उ.प्र. सरकार।
प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
डॉ. नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा, उ.प्र.।
श्रीमती बिन्दु बोरा, समाजसेविका, लखनऊ।
श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई' जी, संस्थापक न्यासी, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ।
श्री ओमप्रकाश गोयल, अध्यक्ष, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ।
श्री राहुल सिंह, सचिव, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ।
श्री वीरेन्द्र कुमार, प्रबन्धक, सेवा चेतना, अर्द्धवार्षिक पत्रिका
प्रो. के.सी. वर्मा, संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र., प्रयागराज।
प्रो. बी.एल. शर्मा, सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र., प्रयागराज।
प्रो. जय सिंह, सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा, उ.प्र., प्रयागराज।
प्रो. सुधीर कुमार चौहान, क्षे.उ.शि. अधिकारी, लखनऊ।
प्रो. ज्ञानप्रकाश वर्मा, क्षे.उ.शि. अधिकारी, वाराणसी।
प्रो. दिनेश चन्द्र शर्मा, राजकीय महाविद्यालय, बादलपुर, गौतमबुद्ध नगर।
प्रो. विनीता प्रकाश, प्राचार्य, आई.टी. कालेज, लखनऊ।
प्रो. मंजुला उपाध्याय, प्राचार्य, नवयुग कन्या महाविद्यालय, लखनऊ।
डॉ. मनोरमा सिंह, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ।
प्रो. सुमन गुप्ता, प्राचार्य, महाराजा बिजली पासी राज. महाविद्यालय, लखनऊ।
प्रो. अर्चना राजन, प्राचार्य, राजकीय महिला महाविद्यालय, राजाजीपुरम, लखनऊ।
प्रो. शहला नुसरत किदवई, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, महोना, लखनऊ।
प्रो. मनोज अग्रवाल, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
प्रो. विनोद श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. रा.म.लो. अ.वि.वि., अयोध्या।
प्रो. रबीन्द्र कुमार, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, सीतापुर।
प्रो. मीनू सक्सेना, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, गोसाईखेड़ा, उन्नाव।
प्रो. सनातन नायक, विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, बी.बी.ए. केन्द्रीय वि., लखनऊ
प्रो. रामपाल गंगवार, हिन्दी विभाग, बी.बी.ए. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ
प्रो. बी.के. मोहन्ती, आई.आई.एम., लखनऊ।
डॉ. अजय कुमार सैनी, प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, कुचलाई, सीतापुर।
प्रो. परमोद कुमार, निदेशक, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ
प्रो. सी.एस. वर्मा, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ।
प्रो. विजय कर्ण, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, नव-नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार।
प्रो. आर.पी. सिंह, अंग्रेजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

कार्यकारी समिति

डॉ. राजीव यादव, संयोजक
डॉ. जय प्रकाश वर्मा, आयोजन सचिव
डॉ. श्वेता भारद्वाज, सह-संयोजक
डॉ. रोशनी सिंह,सह-आयोजन सचिव
डॉ. रश्मि अग्रवाल, सह-आयोजन सचिव
डॉ. भास्कर शर्मा, कोषाध्यक्ष

उच्च शिक्षा विभाग, उ.प्र. शासन, प्रायोजित

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी : मानवता, राष्ट्रवाद एवं राजनीति के कालजयी अग्रदूत

Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee: An Immortal Herald of Humanity, Nationalism and Politics

आनलाइन एवं ऑफलाइन

दिनांक : 24-25 सितम्बर, 2022

:: आयोजक ::

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अलीगंज, लखनऊ- 226024

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

एवं

भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ

स्थापना का 25वां वर्ष : रजत जयंती समारोह

Email : netajiseminar2022@gmail.com, Website : nscbonline.in

महाविद्यालय के बारे में-

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ नैक द्वारा ग्रेड-'बी' प्रत्यायित, लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध एवं रूसा आच्छादित एक राजकीय महाविद्यालय है। इसकी स्थापना लखनऊ के तत्कालीन सांसद पूर्व प्रधान मंत्री, भारत रत्न, स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के सद्प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं को समुचित उच्च शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1997 में हुयी थी एवं भारत के स्वातंत्र्य-समर के अमर सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर नामकरण हुआ है। 90 छात्राओं से प्रारम्भ हुये महाविद्यालय में वर्तमान में स्नातक एवं परास्नातकस्तर पर लगभग 2500 छात्रायें अध्ययनरत हैं। वर्तमान में स्नातकस्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकायों में 17 विषयों तथा परास्नातक स्तर पर पांच विषयों - समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, गृह विज्ञान, प्रा. भा. इतिहास एवं जंतु विज्ञान में अध्यापन कार्य संचालित है। महाविद्यालय नैक के तृतीय चक्र में मूल्यांकन हेतु प्रयासरत हैं। महाविद्यालय में साधन सम्पन्न पुस्तकालय, नवाचार प्रकोष्ठ, सक्रिय आई.क्यू.ए. सी, नेशनल कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, रेंजर्स, शोध विकास प्रकोष्ठ, इग्नू अध्ययन केन्द्र एवं कैरियर परामर्श एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ आदि पूर्णतः क्रियाशील हैं जिससे महाविद्यालय अकादमिक एवं शिक्षणेत्तर गतिविधियों में लखनऊ जनपद में प्रख्यात है।

लखनऊ शहर के बार में-

पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार भगवान श्रीराम के भाई श्री लक्ष्मण के नाम से स्थापित लखनऊ उत्तर प्रदेश राज्य की राजधानी है। लखनऊ के वर्तमान स्वरूप की स्थापना नवाब आसफुद्दौला ने 1775 ईसवी में की थी। अवध के शासकों ने इसको अपनी राजधानी बनाकर समृद्धि के मार्ग पर प्रशस्त किया। लखनऊ शहर अपनी गंगा-जमुनी तहजीब अवधी नजाकत बहुसांस्कृतिक विशेषता, दशहरी आम, बागों के शहर एवं चिकन की कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध है। गोमती नदी के किनारे बसा हुआ 'नबाबों के शहर' के रूप में लोकप्रिय यह शहर शिष्टाचार, साहित्य, संगीत एवं स्वादिष्ट व्यंजनों को आज भी संरक्षित किये हुये है। लखनऊ में स्थापत्य कला के विकास, मेट्रो ट्रेनों के संचालन और आर्थिक उन्नति के कारण यह शहर वर्तमान में तेजी से उभरता आधुनिक शहर के रूप में ख्याति प्राप्त कर रहा है। लखनऊ शहर में हिन्दी, उर्दू एवं अंग्रेजी को लखनवी अंदाज में बोला जाता है। लखनऊ के प्रमुख दर्शनीय स्थल- चौक, अमीनाबाद, हजरतगंज, जी.पी.ओ., कैथेड्रल चर्च, बेगम हजरत महल पार्क, बख्शी का तालाब, काकोरी, इमामबाड़ा, रूमी दरवाजा, छतर मंजिल, कुकरैल पार्क, जनेश्वर मिश्र पार्क, हाथी पार्क, बुद्ध पार्क, अम्बेडकर पार्क, कांशीराम स्मारक स्थल, रेजीडेंसी, दिलकुशा गार्डेन आदि हैं। लखनऊ में माह सितम्बर- अक्टूबर में हल्की गर्मी और सर्दी मिश्रित मौसम रहता है।

संगोष्ठी एक नजर में-

अतीव हर्ष एवं गौरव का विषय है कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार के कर कमलों से वर्ष 1997 में अभिसिंचित एवं स्थापित नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ वर्ष 2022 में अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रहा है। रजत जयंती के इस गौरवपूर्ण अवसर पर महाविद्यालय सप्त-दिवसीय विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से अपनी अकादमिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संबंधी सकारात्मक परिवेश को प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके कारण यह संस्थान उत्तर प्रदेश लखनऊ जनपद में शिक्षा जगत के एक देदीप्यमान प्रकाश पुंज के रूप में आलोकित है।

रजत जयंती उत्सव की इस श्रृंखला में दिनांक 24-25 सितंबर, 2022 को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने एवं उनके अप्रतिम योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी: मानवता, राष्ट्रवाद एवं राजनीति के कालजयी अग्रदूत" विषय पर आनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यम से आयोजित किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

भारत रत्न पूज्य अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार भारतीय राजनीति में शुचिता, मानवीयता एवं सहृदयता के कारण सर्वमान्य नेता के रूप में लोकप्रिय रहे। वह राजनीति में नैतिक मूल्यों की प्रतिस्थापना एवं लोक-कल्याण को राजनैतिक उपलब्धियों से श्रेयकर मानते थे। वह स्पष्ट संदेश देते हैं कि हम सभी को सर्वप्रथम इन्सान बनना चाहिए, केवल नाम से नहीं, रूप से नहीं, शक्ल से नहीं बल्कि हृदय से, बुद्धि से और ज्ञान से भी। वह सत्ता के सुख के लिए मूल्यहीन तरीके से किसी लाभ के विरुद्ध थे। उनके विरोधी भी उनके राष्ट्रीय मूल्यों और राजनैतिक समन्वयता के मुरीद थे। वह संसद में गंभीर से गंभीर बात को काव्यात्मक तरीके से अभिव्यक्त कर देते थे जिससे विपक्षी दल भी उनके विचारों को गंभीरता से लेते थे। वह इस बात के हिमायती थे कि आदमी की पहचान उसके धन या पद से नहीं होती।

आदरणीय अटल जी अपने भाषण कौशल, हिन्दी भाषा मर्मज्ञता एवं काव्य हृदय के लिए भी विख्यात थे। संयुक्त राष्ट्रसंघ में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुये उनका हिन्दी में भाषण देना, भारत को परमाणुशक्ति संपन्न राष्ट्र बनाना, पाकिस्तान के साथ संबंधों को सुधारने की पहल करना, कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सेना का खुलकर समर्थन करना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना का विकास करना आदि पूज्य अटल जी को भारतीय जन-मानस के मध्य एक विचारशील राष्ट्रवादी जन नेता के रूप में स्थापित करते हैं। आदरणीय अटल जी भारतीय जनसंघ संस्थापकों में से एक और भारतीय जनता पार्टी को आधारशिला से उठाकर गगनचुंबी उपलब्धियों के शिखर तक ले जाने वाले कर्मशील नेता के रूप में उभरे। वह तीन बार भारत के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने लम्बे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी हुई पत्रिकाओं राष्ट्रधर्म, पान्चजन्य आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अन्य पत्र-पत्रिकाओं का संपादन भी किया। वह एक लोकप्रिय हिन्दी कवि, लोकसमर्पित पत्रकार और प्रखर वक्ता भी थे। ऐसे मानवता, राष्ट्रवाद और राजनीति के अग्रणी और कालजयी अग्रदूत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से महाविद्यालय के रजत जयंती के अवसर पर हम श्रद्धा सुमन अर्पित करना चाहते हैं। अतः आदरणीय अटल बिहारी बाजपेयी जी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व पर विचार विमर्श करने हेतु भाऊराव देवरस सेवा न्यास, लखनऊ एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है जिसके निम्न उपविषयों पर शोध-पत्र आमंत्रित हैं-

उपविषय :

- पूज्य अटल बिहारी वाजपेयी तथा राष्ट्र की अवधारणाः वर्तमान परिप्रेक्ष्य एवं चुनौतियां
- कर्म से समाधि तक की आत्म यात्रा : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी
- भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी का योगदान
- अटल जी की राजनीतिक जीवन की उपलब्धियाँ
- राजनीति, राष्ट्रप्रेम एवं कविता : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी
- राजनीति एवं मानववाद : भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी
- युवा अटल मानस से विश्व-फलक तक विस्तारः भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी
- हिन्दी कविता एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- अटल बिहारी वाजपेयी का काव्य संसार
- राष्ट्रप्रेम, कविता एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- पत्रकारिता एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य, वीर अर्जुन एवं अटल बिहारी वाजपेयी।
- हिन्दू धर्म एवं अटल विहारी वाजपेयी
- आतंकवाद एवं वर्तमान चुनौतियाँ अटल बिहारी वाजपेयी
- इतिहास, संविधान एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- भारतीय संसद एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- लखनऊ एवं अटल बिहार वाजपेयी
- ग्वालियर एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- अटल जी की राजनीतिक यात्राः कही अनकही
- भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी
- डॉ. श्यामा प्रसाद एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- भारतीय परमाणु परीक्षण एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- भारतीय विदेश नीति एवं अटल बिहारी वाजपेयी
- भारत-पाकिस्तान संबंध व अटल बिहारी वाजपेयी
- राष्ट्रीय स्वयं संघ एवं अटल जी
- संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अटल जी
- भारतीय जनसंघ एवं अटल जी
- भारतीय जनता पार्टी एवं अटल जी
- राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एवं अटल जी
- कारगिल युद्ध एवं अटल जी
- रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया की मौद्रिक नीति एवं वर्तमान प्रासंगिकता
- भारतीय अर्थव्यवस्था और अटल जी का आर्थिक चिंतन
- स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना एवं अटल जी
- हिंदू तन-मन, हिंदू जीवन, रग-रग हिंदू मेरा परिचय
- राजनीति, समाज एवं राष्ट्र
- गठबंधन राजनीति एवं अटल
- राष्ट्रीय समीकरण व अटल जी
- बाबरी मस्जिद विध्वंस व अटल जी
- कंधार प्लेन हाइजैक व अटल जी
- छात्र-राजनीति एवं अटल जी
- शक्ति से शांतिः अटल बिहारी वाजपेयी
- भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयीः क्या खोया, क्या पाया
- न दैन्यं न पलायनः अटल बिहारी वाजपेयी
- Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee, Concept of Nation : Present Scenario and Challenges
- Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee: Life and Works
- Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee as Prime Minister
- Achievement of Atal Bihari Vajpayee as a Politician
- Politics, Nationalism and Poetry
- Politics and Humanism : Atal Bihari Vajpayee
- Hindi Kavita and Atal Bihari Vajpayee
- Literary world of Atal Bihari Vajpayee
- Financial Policies and Atal Bihari Vajpayee
- Foreign Policy and Atal Bihari Vajpayee
- Journalism and Atal Bihari Vajpayee
- Hinduism and Atal Bihari Vajpayee
- National Integrity, Terrorism and Atal Bihari Vajpayee
- History, Constitution and Atal Bihari Vajpayee
- Association of Atal Bihari Vajpayee with Lucknow, Gwalior
- Dr. Shyama Prasad Mukharji and Atal Bihari Vajpayee
- Indian Nuclear Power and Atal Bihari Vajpayee
- Monetary Policy of RBI and its Present Relevance
- NDA and Atal Bihari Vajpayee
- Bharti Janta Party and Atal Bihari Vajpayee

शोध सारांश/शोध-पत्र/आलेख प्रेषण

चयनित शोधपत्रों, आलेखों, संस्मरणों, स्वरचित कविताओं व स्केचेस (चित्र) को **आई.एस.बी.एन. युक्त** एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। उक्त संगोष्ठी में पंजीकरण, शोध-सारांश/पूर्ण शोधपत्र, आलेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि 22 सितम्बर, 2022 निर्धारित है। पूर्ण शोध-पत्र टाइम्स न्यू रोमन फोंट साइज 12 अथवा कृति देव 010 फाँट साइज 14 में एम.एस. वर्ड फाइल पर प्रेषित करें तथा अपने मित्रों, सहयोगियों तथा शोधार्थियों को भी सहभागिता हेतु प्रेषित करें। छात्र-छात्राएं भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी पर स्वरचित कविताएं एवं स्केच/चित्र प्रेषित कर सकते हैं। उत्कृष्टतम कविता एवं स्केच/चित्र को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया जाएगा।

पंजीकरण हेतु लिंक- **https://seminar.nscbonline.in/**

राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु पंजीकरण शुल्क —

रु. 800.00 शिक्षक/फैकेल्टी
रु 500.00 शोधार्थी
रु 100.00 छात्र-छात्राओं

पंजीकरण-

सारांश प्रेषित करने की तिथि : 22 सितम्बर, 2022
पूर्ण रिसर्च पेपर प्रेषित करने की तिथि : 20 सितम्बर, 2022
शोध-पत्र/सारांश प्रेषित करने हेतु ई-मेल : netajiseminar2022@gmail.com

नोटः- छात्र/छात्रायें एवं शोधार्थी अपने विभागाध्यक्ष/प्राचार्य/शोध निर्देशक से संस्तुति-पत्र की प्रमाणित प्रति एवं परिचय-पत्र जमा करके सम्बन्धित लाभ ले सकते हैं। पंजीकरण शुल्क नकद/डिमांड ड्राफ्ट/ऑनलाइन माध्यम से निम्न विवरणानुसार जमा किये जा सकते हैं।

बैंक खाता विवरण-

खाताधारक : Principal, NSCB Govt. Girls P.G. College
बैंक का नाम : State Bank of India
खाता सं. 62131796498
आई.एफ.एस.सी. कोड : SBIN 0050826
शाखा : पुरनिया, अलीगंज, लखनऊ

UPI
BHIM UPI Payments Accepted at
PRINCIPAL N.S. C.B.GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE
Account Number : 62131796498, IFSC Code: SBIN0050826

संगोष्ठी की कार्य योजना संक्षेप में
24 सितम्बर, 2022- 25 सितम्बर, 2022

समय	शनिवार, 24 सितम्बर, 2022	रविवार, 25 सितम्बर, 2022
09.00-10.00 प्रातः	पंजीकरण	----
09.30-10.00 बजे	जलपान	सूक्ष्म जलपान
10.00-11.00 बजे	उद्घाटन सत्र	तकनीकी सत्र-III (स्मार्ट क्लास-1)
11.00-12.00 बजे	मुख्य वक्ता उद्बोधन	
12.00-01.00 अपराह्न	विशिष्ट वक्ता उद्बोधन	पोस्टर प्रस्तुति
01.00-02.00 अपराह्न	लंच	लंच
02.00-03.30 अपराह्न	तकनीकी सत्र-I (स्मार्ट क्लास-1)	तकनीकी सत्र-IV (स्मार्ट क्लास-2)
03.30-05.00 बजे	तकनीकी सत्र-II (स्मार्ट क्लास-2)	विदाई सत्र/पुरस्कार प्रस्तुतिकरण